विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

आम लोगों की जेब पर भारी पड़ती सुविधाओं के नाम पर बैंकों की वसूलियां

पिछले पांच सालों में एसबीआई को छोड शेष 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल और केवल मिनिमम बैलेंस के नाम पर 8 हजार 500 रु. करोड रु. की कमाई की है। इसका साफ साफ अर्थ है कि गरीब आदमी के खातों से साढे आठ हजार करोड रुपए तो इन बैंकों में न्यूनतम बैलेंस ना रख पाने के कारण गवाने पडे हैं। यह तो तब है जब देश के सबसे बडे बैंक ने 2019-20 में न्यूनतम बैलेंस की पैनेल्टी के रुप में 640 करोड जुर्माना के रुप में वसूलने के बाद न्यूनतम बैलेंस पर पेनेल्टी लगाने का आदेश वापिस ले लिया। 12 में से 11 बैंकों की साढे 8 हजार करोड की पांच साल में पेनेल्टी वसूली रही है तो कल्पना की जा सकती है कि निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस तरह के जुर्माने से कितना खजाना भरा होगा। साढे 8 हजार करोड रु. की जुर्माना राशि का आंकडा किसी भी तरह से कपोल कल्पित या अतिशयोक्ति पूर्ण नहीं हैं क्योंकि यह जानकारी अधिकृत रुप से संसद में केन्द्रीय वित राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा दी गई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में बैंकों में मार्च, 23 में 294 करोड से अधिक खाते हैं। अब यह स्पष्टीकरण देने का कोई मतलब नहीं कि यह पैसा गरीब खातेदारों के अकाउंट्स से ही गया हैं क्योंकि पैसे वाले खाताधारकों के खातों में तो न्यूनतम बैलेंस रहता ही है।

देश में बैंकिंग नेटवर्क का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, 22 निजी क्षेत्र के बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 1485 अरबन कोआपरेटिव बैंक और हजारों की संख्या में ग्रामीण सहकारी बैंकिंग संस्थाएं हैं। यह तो सभी संस्थागत बैंकिंग संस्थाएं है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार हुआ है। 24 गुणा 7 सेवाएं मिलने लगी है। जन धन खातों की परिकल्पना से गरीब से गरीब आदमी का बैंकों से जुड़ाव हुआ है। और अब डिजीटल लेन-देन की सुविधा ने तो सब कुछ ही बदल कर रख दिया है। आज पांच रुपए का धनिया तक पेटीएम या इसी तरह के किसी प्लेटफार्म से आसानी से भुगतान कर खरीदा जा सकता है। दिन प्रतिदिन डिजीटल पेमेंट का चलन आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में कहीं से भी किसी को भी मोबाईल या ऑनलाईन बैंकिंग सुविधा से चंद सैकंड में भुगतान पहुंचने लगा है। यह सब बैंकिंग सेवाओं में सुधार और विस्तार का उदाहरण है तो दूसरी और नकदी लेन-देन का स्थान डिजीटल पेमेंट ने ले लिया है।

बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पड़ने लगी है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं।

बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार निश्चित रुप से शुभ संकेत माना जाना चाहिए। यह भी साफ है कि लोगों में निश्चित रुप से अवेयरनेस आई है। यह दूसरी बात है कि साइबर ठगी के मामलें भी बहुत अधिक होने लगे हैं। पर सबसे अधिक चिंतनीय बैंकों द्वारा अपनी आय बढाने के लिए सुविधाओं के नाम पर चार्जेज लगालगाकर अपनी आय बढाना है। आम आदमी को किसी तरह की गलत फहमी में नहीं रहना चाहिए कि बैंक उन्हें यह सेवाएं फ्री में दे रहे हैं। आज हालात यह है कि एटीएम पोस मशीन से बडा बडा कारोबारी भुगतान लेने को तैयार नहीं होता। उसका साफ कहना होता है कि इसमें हमारे चार्जेज लग जाते हैं इसलिए डिजीटल प्लेटफार्म से ही भुगतान प्राप्त करना उचित समझते हैं। खैर चिंतनीय बात यह है कि बैंकों द्वारा सुविधाओं के नाम पर वसूली राशि बहुत अधिक होने के साथ ही आम खाताधारक के लिए भारी पडने लगी है। आज हो यह रहा है कि बैंक की छोटी से छोटी सेवा के लिए भी भुगतान करना पडता है। भुगतान के आसान तरीके आरटीजीएस और एनईएफटी की सेवाएं चार्जेवल है। हांलाकि दो लाख तक के आरटीजीएस पर कोई चार्ज नहीं लिया जाता पर राशि बढने के साथ ही चार्ज बढता जाता है। डुप्लीकेट पासबुक से लेकर चैक बाउंस होने पर रिटर्न चार्ज, सिग्नेचर वैरीफाई चार्ज, नोमिनी का नाम बदलवाने, इंट्रेस्ट सर्टिफिकेट लेने, ईकेवाईसी और इसी तरह की सेवाओं के लिए चार्ज लिए जाते हैं। एटीएम का उपयोग हांलाकि अब कम होता जा रहा है पर दूसरे बैंक के एटीएम के उपयोग और इसी तरह की अन्य सेवाओं के लिए चार्जेज आम होता जा रहा है। देखा जाए तो हमें पता ही नहीं चल पाता कि बैंकों द्वार कब कितना पैसा काट लिया जाता है। लेनदेन की सूचना के एसएमएस से लेकर अन्य सेवाएं करीब करीब सशुल्क होने के कारण हमें कुछ ना कुछ चुकाना ही पडता है। चिंतनीय यह है कि इस सबके बावजूद बैंकों में ग्राहकों के प्रति जो संवेदनशीलता और आपसी संबंध होने चाहिए वह कहीं खोते जा रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि बैंक सेवा प्रदाता संस्था हैं और सहज सुविधाएं उपलब्ध कराने और निरंतर सेवाओं में सुधार के लिए बैंकों द्वारा प्रयास किये जाते रहे हैं। पर इसके साथ ही बैंकों को न्यूनतम बैलेंस या अन्य तरह के अनावश्यक चार्जेज लगाने से पहले आम खाताधारकों के हितों को भी देखना चाहिए। बैंक केवल और केवल पैसा कमाने का स्थान नहीं हैं अपितु बैंकों की भी आमजन के प्रति जिम्मेदारी बनती हैं। सभी कुछ केवल और केवल खाताधारक से ही देय है तो फिर बैंकों और पुराने जमाने के साहूकारों या आज के गली-गली में फैले सूदखोरों या फिर बॉक्सरों से वसूली करने वाली संस्थाओं से अलग होना ही पडेगा। कहीं ना कहीं सरकार और बैंकिंग संस्थाओं को जनसरोकारों से भी जुडना होगा ताकि जिस तरह से पिछले कुछ सालों में बैंकों में आम आदमी की सहज पहुंच हुई हैं और आम आदमी का मोबाईल अब बैंक बन गया है यह सराहनीय है। आवश्यकता चार्जेज के पुनरावलोकन की है। इस और ध्यान देना ही होगा।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

मिशन हरियालो राजस्थान : ढोल की थाप पर एक साथ 2100 पौधे लगाए

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वालों को किया सम्मानित

राजसमंद, ०(निसं)। हरियालो राजस्थान- एक पेड मां के नाम अभियान का जिला स्तरीय कार्यक्रम बुधवार को पुलिस लाइन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुंभलगढ विधायक सुरेंद्रसिंह राठौड, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, जिला प्रभारी सचिव विकास सीताराम भाले, जिला कलक्टर डॉ भंवरलाल, एडीएम नरेश बुनकर, एएसपी महेन्द्र पारिक, जिला परिषद सीईओ हनुमानसिंह राठौड, एसडीएम अर्चना बुगालिया, उप वन संरक्षक सुदर्शन शर्मा, जिला परिवहन अधिकारी डॉ कल्पना शर्मा, नगर परिषद आयुक्त बृजेश राय, सभापति अशोक टांक, जिला प्रमुख रतनीदेवी चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह बारहठ, एक्सईएन तरुण बाहेती, नगर परिषद नेता प्रतिपक्ष हिम्मत कुमावत, नर्बदा शंकर पालीवाल, सुभाष पालीवाल, पूर्व सभापति सुरेश पालीवाल, पार्षद आशीष पालीवाल, मोहन कुमावत, दीपक शर्मा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ। अभियान के तहत ढोल की थाप पर एक साथ 21०० पौधे रोपे गए। इससे पूर्व जनसभा में अतिथियों ने आमजन को संबोधित किया। इस दौरान बडी संख्या में वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे जिन्होंने पौधारोपण को लेकर आवश्यक सुविधाएं प्रदान की।

कुंभलगढ विधायक सुरेंद्रसिंह राठौड ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर जिले में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पर्यावरण प्रेमी चेनाराम भील की कहानी सभी को सुना कर उन्हे प्रेरणा स्त्रोत बताते हुए कहा कि इस व्यक्ति ने अपना पूरा जीवन पर्यावरण को समर्पित कर दिया और 5000 पौधे लगाए। चेनाराम भील ने यह कार्य बिना किसी के सहयोग से किया। वह पौधे लगाता और प्रतिदिन उन्हें सिंचित कर रखरखाव करता। उन्होंने कहा कि चेनाराम भील से प्रेरणा लेकर आज हम सभी इस तरह पर्यावरण संरक्षण का बीडा उठाया सकते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री की पहल एक पेड माँ के नाम अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह अब तापमान रिकॉर्ड तोड रहा है उस हिसाब से वृक्षारोपण जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि अब अगर हर व्यक्ति ने पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प नहीं लिया तो आने वाला समय संकटपूर्ण हो सकता है। ऐसे में सभी वृक्षारोपण अवश्य करें।

राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि हर व्यक्ति को

- **पुलिस लाइन में आयोजित हुआ हरियालो राजस्थान अभियान एक पेड माँ के नाम का जिला स्तरीय कार्यक्रम**

अपने घर में एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। एक पेड मां के नाम प्रधानमंत्री की अनूठी पहल है। हमें आने वाली पीढी को संरक्षित करना है तो पौधारोपण करना ही होगा। पर्यावरण संरक्षण के लिए हम सभी को संकल्प लेना है।

उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आमजन में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता बढाने तथा आम जनता को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करने की मंशा से मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत सरकार राजस्थान को हरियाली युक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक माहेश्वरी ने कहा कि पहाडियों, चारागाह भूमि, सडक किनारे, विद्यालयों, अमृत सरोवर, जल स्त्रोतों के किनारे पौधारोपण कर प्रदेश को हरा-भरा किया जाएगा। हरियाली तीज का त्यौहार राजस्थानी महिलाओं में विशेष महत्व रखता है। महिलाओं को लहरिया परिधान पहनकर पौधारोपण कार्यक्रम में सहभागी बनने पर मातृ शक्ति की सराहना की। साथ ही आमजन से इस अभियान के तहत लगाए जाने वाले पौधों की जानकारी हरियालो राजस्थान ऐप और भारत सरकार के मेरी लाईफ ऐप पर अपलोड करने की अपील की।

हरियाली है धरती मां का श्रृंगार

प्रभारी सचिव वरिष्ठ आईएएस विकास सीताराम भाले ने कहा कि यह हरियाली ही है जो धरती मां का श्रृंगार है। प्रधानमंत्री ने एक पेड मां के नाम का नारा दिया है जो आज के समय सारगर्भित है। जिस तरह तापमान बढता जा रहा है उस हिसाब से अब पौधारोपण जरूरी हो चुका है। केरल में हम देख चुके हैं कि पेडों की कटाई से क्या नुकसान हुआ है। हम निरंतर प्रकृति का दोहन करते हैं, ऐसे में वापस प्रकृति को देना भी जरूरी है। उन्होंने सभी से अपील कर कहा कि पौधारोपण अवश्य करें और पौधे का पूरा ध्यान भी रखें। सभापति अशोक टांक ने भी अधिकाधिक पौधारोपण की अपील की। भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह बारहठ ने कहा कि एक पेड मां के नाम अभियान से हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिली है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर सोहनलाल गुर्जर, लक्ष्मीनारायण आमेटा, विपिन पालीवाल, अक्षय कुमार खटीक, ललितसिंह चौहान, विजय वैष्णव, दीपिका, रेखा कुमावत, प्रकाशचंद्र प्रजापत, ममता सेन आदि को अतिथियों ने प्रशंस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान बडी संख्या में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, नरेगा श्रमिक, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, स्काउट की टीम, जनप्रतिनिधि और कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, वन, राजीविका, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण, शिक्षा, कृषि एवं उद्यानिकी, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, सार्वजनिक निर्माण, उद्योग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, जल संसाधन, चिकित्सा, खनिज, नगरीय विकास, स्वायत शासन इत्यादि विभागों के अधिकारीएवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में डीसीएफ सुदर्शन शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। आभार सीडीईओ रविंद्र तोमर ने ज्ञापित किया। संचालन दिनेश श्रीमाली ने किया।

सांवलियाजी सेठ के भंडार से 13 करोड़ 38 लाख रुपये की राशि मिली

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में गत तीन अगस्त को खोले गए भगवान के विशाल भंडार की गिनती तीसरे चरण में बुधवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भैरुलाल गुर्जर की उपस्थिति में हुई। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि तीसरे चरण में हुई भंडार गिनती में 3 करोड़ 7 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व दो चरणों में हुई भंडार गिनती में से 10 करोड़ 31 लाख 45 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए थे।

तीनों चरणों की राशि मिलाकर 13 करोड़ 38 लाख 45 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए हैं। प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि भंडार की शेष रही राशि की गणना करना अभी बाकी है। इसके अलावा भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोने-चांदी का तोल होना भी बाकी है। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य संजय कुमार मंडोवरा, भैरूलाल सोनी, अशोक शर्मा, मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, कांग्रेस युवा नेता सुरेशचंद्र गुर्जर, संपदा प्रभारी भैरुगिरी गोस्वामी, संस्थापन प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, दीपक तिवारी, जितेन्द्र त्रिपाठी, नारायण लाल गाडरी सहित मंदिर व बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

- **भंडार की शेष राशि व सोने-चांदी का तोल एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोने-चांदी का तोल बाकी है**

भगवान श्री सांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार में भंडार की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भैरुलाल गुर्जर की उपस्थिति में हुई।

एमबी अस्पताल एवं टीएडी बालिका छात्रावास का किया निरीक्षण

उदयपुर, (कासं)। पब्लिक सर्विसेज निदेशक व जन अभियोग निराकरण विभाग के विशिष्ट शासन सचिव व जिला प्रभारी सचिव हरिमोहन मीणा ने बुधवार को उदयपुर दौरे के तहत महाराणा भूपाल चिकित्सालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी एवं सुपर स्पेशलिटी परिसर में पहुंच वार्ड में मरीजों से कुशलक्षेम पूछते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं अस्पताल की कार्यप्रणाली के बारे में आरएनटी प्राचार्य डॉ. विपिन माथुर व अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.एल.सुमन से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों का अवलोकन करते हुए बजट घोषणाओं की प्रगति की भी समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश प्रदान किये।

इसके पश्चात प्रभारी सचिव मीणा मधुबन स्थित टीएडी विभाग अंतर्गत संचालित बालिका छात्रावास पहुंचे जहां उन्होंने व्यवस्थाओं को देखते हुए छात्रावास स्टाफ को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। इस दौरान उन्होंने आवास कक्षों, डाइनिंग हॉल, स्टोर रूम आदि का अवलोकन किया तथा बालिकाओं की कोचिंग की व्यवस्थाओं की भी हॉस्टल अध्यापिकाओं से जानकारी ली। मीणा ने हॉस्टल में बालिकाओं से संवाद भी किया तथा करियर को लेकर चर्चा की एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर एसी ओ जिला परिषद अंजुम ताहिर समा, आरएनटी प्राचार्य डॉ. विपिन माथुर, एमबी अधीक्षक डॉ.आर.एल.सुमन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मासूम को कुत्ते ने नोचा

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना क्षेत्र के जोरावरपुरा गांव में एक 3 साल के मासूम को कुत्ते ने नोच खाया। कुत्ते ने बच्चे के एक तरफ के गाल ओर जबड़े को नोच दिया। बच्चे को लहूलुहान ओर गंभीर हालत में डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए। डॉक्टर ने जांच के बाद उसे भर्ती कर लिया।

जोरावरपुरा निवासी कांता डाबी ने बताया कि बुधवार सुबह के समय उसका तीन साल का बेटा घर के आंगन में खेल रहा था। वह घर के अंदर काम कर रही थी। उसी समय एक कुत्ता उसके बच्चे को काटने लगा। कुत्ते ने बच्चे के गाल और जबड़े को मुंह में

- **कुत्ते ने बच्चे के गाल और जबड़े को मुंह में दबोच लिया**

दबोच लिया। बच्चे के चिल्लाने पर वह दौड़कर आई। डंडे से कुत्ते को भगाया, लेकिन कुत्ते ने बच्चे के गाल और जबड़े को नोच लिया था। बच्चे को गंभीर हालत में पहले सीमलवाडा अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे रेफर कर दिया। डूंगरपुर अस्पताल में सर्जन डॉ. महेश पुकार ने बच्चे को देखा और उसे तुरंत भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया।

राशिफल गुरूवार 8 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:34 तक, शिवयोग दिन 12:29 तक, वणिज करण दिन 11:21 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

रवियोग रात्रि 2:44 तक है। आज वरद विनायक चतुर्थी, दुर्वा गणपति व्रत है और श्रवण तपस्या आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:37 तक, चर 10:54 से 12:32 तक, लाभ-अमृत 12:32 से 3:49 तक, शुभ 5:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 7:05

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों एवं आय में वृद्धि होगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या

व्यक्तिगत पारिवारिक कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मिथुन

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

38 मिनट में एक ही गाड़ी का एक ही दिन में तीन बार काटे अलग-अलग चालान

राजसमंद, ०(निसं)। जिला परिवहन विभाग के तत्कालिन आरटीओ इंस्पेक्टर एवं वर्तमान सब इंस्पेक्टर के खिलाफ लोक सेवक होकर किसी व्यक्ति विशेष को नुकसान पहुंचाने, जाली दस्तावेज बनाने एवं नियमों के विपरित जाकर बस चालान बनाने के मामले में राजनगर पुलिस थाने में एक मामला दर्ज हुआ है। मामले में वास्तविकता क्या है उसको लेकर राजनगर पुलिस आगे अनुसंधान कर रहीं है। अधिवक्ता हर्ष टांक ने बताया कि प्रार्थी ट्रांसपोर्ट व्यवसाई की एक बस जो कांकरोली से चित्तौडगढ मार्ग पर नियमित तय समयनुसार चलती है। दिनांक 3 फरवरी 2०22 को राजसमंद जिला परिवहन कार्यालय के तत्कालिन आरटीओ इंस्पेक्टर गजेन्द्र ओझा एवं वर्तमान पदस्थापित सब इंस्पेक्टर अनिता पंवार ने नियमों के विरूद्ध जाकर ट्रांसपोर्ट व्यवसाई से व्यक्तिगत द्वेषता के चलते एक ही दिन में एक ही बस आरजे 3० पीए 3389 का महज 38 मीनट में तीन अलग-अलग चालाना बनाए गए। बडी हैरानी की बात है कि अधिकारियों ने चालान के दौरान काटे गए तीनों ही चालान में एक ही लॉकेशन बताते हुए अलग-अलग राशि का जुर्माना लगाया गया। पिडित ट्रांसपोर्ट व्यवसाई को इन चालान की जानकारी तब हुई जब अपी बस के दस्तावेज नवीनीकरण कराने 4 जून 2०24 को परिवहन कार्यालय गए तो बस का ऑनलाईन काटे गए चालान की राशि बकाया होना सामने आया। उसके बाद उसी समय काटे गए चालान की बकाया राशि जमाकर बस के दस्तावेज रिन्युअल कराए। वहीं विभाग द्वारा ऑनलाईन काटे गए चालान की प्रति मिली तो उसके होश उड गए। जिनमें एक ही बस के एक ही दिन, एक ही स्थान पर महज 38 मिनट के अंतराल में दो अधिकारियों ने तीन अलग-अलग चालान काट दिए, जो अपने आप में आश्चर्जनक है। उसके बाद बस मालिक ने कानूनी प्रक्रिया अपनाते हुए आरटीओ इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर के खिलाफ राजनगर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई तथा मामले की निष्पक्ष जाकर कार्यवाही करने की गुहार लगाई।

चालान के काटने के दौरान तत्कालिन आरटीओ इंस्पेक्टर गजेन्द्र ओझा ने तो नियमों की पालना करने की हदे ही पार कर दी थी। ओझा ने 3 फरवरी 2०22 दोपहर 12:22 बजे पहला चालान बनाया जिसमें क्षमता से अधिक सवारी का परिवहन, बिना लाईसेंस के वाहन चलाना, फिटनेस, बीमा, पीयूसी एवं बिना टैक्स के बस रोड चलाने पर 19 हजार सौ रूपये का जुर्माना लगाते हुए चालान बनाया। उसके ठीक तीन मिनिट बाद 12:25 बजे उसी बस का फिर से चालान बनाया गया जिसमें भी क्षमता से अधिक सवारी बिठाने पर 5 हजार रूपये का चालान काटा गया। जो अपने-आप में हास्यप्रद व संदेहस्पद है। ओझा की ओर से चालान बनाने में जीतनी जल्द बाजी की गई उतनी ही खामियां भी रख दी गई थी। दोनों चालान बनाने के बिच तीन मिनिट का अंतराल रखा गया। उसके बाद दोपहर एक बजे आरटीओ सब इंस्पेक्टर अनिता पंवार ने भी इसी बस का चालान बनाया जिसमें बस का फिटनेस, बीमा, पीयूसी खत्म होने हवाला देते नो हजार रूपये का चालान बना दिया।

अधिवक्ता हर्ष टांक ने बताया कि आरटीओ इंस्पेक्टर ओझा द्वारा राजसमंद से चित्तोड जाने वाली बस का पहला चालान दोपहर 12:22 मिनट पर रेलमगरा में चालान बनाया गया, जो यहां तक तो उचित लगता है। लेकिन उसके तीन मिनट बाद ही 12:25 बजे ओझा द्वारा रेलमगरा में ही इस बस का पुन: चालान बनाया जाना कहां तक उचित है। जबकि तय रूट के अनुसार ये बस 12:1० बजे गिलुण्ड से रवाना होने का समय है, ऐसे में चालान बनाते समय बस का रेलमगरा में होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे मझे की बात तो यह हुई कि आरटीओ सब इंस्पेक्टर अनिता पंवार द्वारा भी दोपहर एक बजे उन्हीं नियम व कमियों को लेकर रेलमगरा स्थान दर्षाते हुए चालान बनाया गया जिन कमियों का चालान इनसे पूर्व ओझा ने बना दिया था। वहीं विभागीय नियमों के अनुसार उक्त बस की जारी समय सारणी के अनुसार दोपहर 12:4० बजे उक्त बस चित्तौड जिले के कपासन कस्बे में पहुंचने का समय निर्धारित है। इस तरह दोपहर एक बजे बस का चित्तोड जिले में होने के कारण ऑनलाईन चालान बनाना आरटीओ सब इंस्पेक्टर अनिता पंवार के अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है। उसके बावजूद भी पंवार ने इसी बस का चालान बनाया।

गजेन्द्र ओझा, तत्कालिन आरटीओ इंस्पेक्टर ने बताया कि पहले ऑफ लाईन चालान बना करते थे, उसके बाद उनको ऑनलाईन चढाया जाता था। कम्प्यूटर पर ऑपरेटर ने ऑनलाईन करते समय गलती से उसी चालान को दो बार तो उसी एक चालान को अन्य एक सब इंस्पेक्टर की आईडी से फिर चढा दिया गया था। बस मालिक चालान जमा कराने से पहले अगर विभागीय अधिकारियों से मिलकर तीन चालान की जानकारी देते तो तुरंत ही मामले का निस्तारण हो सकता था।